केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

प्रेस विज्ञप्ति

आगरा, 26.2.2021।

दिनांक 26.02.2021 को केंद्रीय हिंदी संस्थान के अटल बिहारी वाजपेयी अंतरराष्ट्रीय सभागार में गृह मंत्रालय, भारत सरकार के राजभाषा विभाग और केन्द्रीय हिंदी संस्थान आगरा के संयुक्त तत्वावधान में राजभाषा विभाग के ऑनलाइन हिंदी शिक्षण पाठ्यक्रम ' लीला' के संवर्धन के संबंध में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में राजभाषा विभाग के सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सहभागिता की जिसमें श्री नगेंद्र सिंह (वरिष्ठ तकनीकी निदेशक, एन आई सी); श्री मोहन लाल वाधवानी, (निदेशक, वित्त), श्री बाबूलाल मीणा (निदेशक, सेवा) ; श्री विनोद कुमार संदलेश (संयुक्त निदेशक, केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो); श्री वरुण कुमार (निदेशक, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण संस्थान) और श्री आनंद कुमार (निदेशक, नीति एवं प्रशिक्षण) और श्री विक्रम सिंह (प्राध्यापक, राजभाषा) सम्मिलित थे।

कार्यशाला अध्यक्ष के रूप में केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपाध्यक्ष श्री अनिल शर्मा 'जोशी' उपस्थित हुए । साथ ही केंन्द्रीय हिंदी संस्थान की निदेशक प्रो बीना शर्मा, शैक्षिक समन्वयक एवं कार्यक्रम संयोजक प्रो हरिशंकर, नवीकरण विभाग के अध्यक्ष प्रो उमापति दीक्षित, विदेशी हिंदी शिक्षण विभाग के अध्यक्ष डॉ. जोगेंद्र सिंह मीणा के साथ साथ विशेषज्ञ विद्वान प्रो. वी. आर. जगन्नाथन, डॉ. राजेश कुमार, डॉ. प्रमोद कुमार शर्मा और श्री विजय मल्होत्रा की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

उद्घाटन सत्र में केंद्रीय हिंदी संस्थान की गतिविधियों पर आधारित एक संक्षिप्त प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया गया। निदेशक प्रो. बीना शर्मा ने आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्ष के आसन से बोलते हुए मंडल के उपाध्यक्ष श्री अनिल शर्मा जोशी ने हिंदी के विकास से जुड़े इस महत्वपूर्ण उद्यम को नए समय की शैक्षणिक आवश्यकताओं के अनुरूप अद्यतन और संवर्धित किये जाने पर बल दिया और इस कार्य मे प्रौद्योगिकी की गतिशील भूमिका को विशेष रूप से रेखांकित किया। उद्घाटन सत्र का औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रो. हरिशंकर ने किया।

बैठक के दूसरे और तीसरे चर्चा सत्र में कार्यशाला प्रतिनिधियों द्वारा लीला शिक्षण पैकेज के संवर्धन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर गहन विचार विमर्श किया गया और इसे हिंदी शिक्षार्थियों की नवीनतम आवश्यकताओं के अनुसार अपडेट करने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। राजभाषा विभाग के लीला पैकेज का उपयोग हिन्दीतर भाषी सरकारी कार्मिकों को हिंदी प्रयोग में दक्ष बनाना है। लेकिन इसके प्रारंभिक स्तर (प्रबोध) का इस्तेमाल सामान्य रूप से हिंदी सीखने के लिए भी किया जा सकता है जिसको और संवर्धित करने के लिए राजभाषा विभाग और केंद्रीय हिंदी संस्थान साझे सहयोग के क्षेत्रों पर विचार इस कार्यशाला में किया गया। बैठक में लीला ऑनलाइन पाठ्यक्रम की विस्तार से प्रस्तुति दी गयी और इसकी विशेषताओं को समझाया गया। वरिष्ठतम विशेषज्ञ विद्वान प्रोफेसर वी आर जगन्नाथन ने हिंदी शिक्षण प्रशिक्षण के अन्य भाषाई एवं विदेशी हिंदी शिक्षण संदर्भों पर प्रकाश डाला और लीला पैकेज के उन्नयन की भविष्योन्मुख आवश्यकताओं की रूपरेखा प्रस्तुत की।

समापन सत्र में संयुक्त सचिव (राजभाषा) ऑनलाइन उपस्थित होकर एक दिवसीय कार्यशाला की चर्चा के बिंदुओं एवं उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने हिंदी के उन्नयन से जुड़े इस महत्त्वपूर्ण कार्य मे संलग्न संस्थाओं को अपनी अपनी विशेषता के साथ परस्पर सहयोग एवं समन्वय से कार्य को गति देने की अपेक्षा व्यक्त की।

कार्यक्रम का संयोजन विभागाध्यक्ष श्री अनुपम श्रीवास्तव के नेतृत्व में सूचना एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग ने किया।

स्नेह मिलन (शैक्षिक -साहित्यिक) संवाद

कार्यशाला के बाद एक स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आगरा के साहित्यकारों को आमंत्रित किया गया । इस कार्यक्रम में सोम ठाकुर जी द्वारा कविता पाठ भी किया गया ।

फोटो अलबम - https://photos.app.goo.gl/Kkq4A51V24mZcyj2A